हस्तशिल्प पुरस्कार

राष्ट्रीय हस्तशिल्प विकास कार्यक्रम (एनएचडीपी) के तहत हस्तशिल्प क्षेत्र में उत्कृष्टता के लिए हस्तशिल्प कारीगरों और डिजाइनरों को हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं।

उद्देश्य:

- हस्तशिल्प कारीगरों और डिजाइनरों के असाधारण कौशल को पहचानना जिन्होंने शिल्प परंपरा के संवर्धन, विकास एवं संरक्षण तथा शिल्पी समुदाय के कल्याण में अपना महत्वपूर्ण योगदान दिया हो।
- युवा कारीगरों को और अधिक जोश एवं उत्पादक पद्धति के साथ कार्य करने हेतु प्रोत्साहित करना और अन्यों को उनके साथ प्रतिस्पर्धा के लिए बढ़ावा देना।
- एकल व्यक्तियों/डिजाइनरों को हस्तशिल्प उत्पादों की मार्केटिंग के लिए अभिनव उपायों को अपनाने और उनकी उपलब्धियों को पहचान देने हेतु पुरस्कार प्रदान करना।
- कारीगरों/डिजाइनरों द्वारा हस्तशिल्प उत्पादों के उत्पादन में उन्नत प्रोद्यौगिकी तकनीकों को अपनाने और उत्पादन वृद्धि के अनुसार उनकी उपलब्धियों के बारे में जागरूकता फैलाना।

ब्यौरा निम्न प्रकार से हैं:

पुरस्कारों की संख्या: 25

पुरस्कार विजेताओं को पुरस्कार प्रदान करने के लिए पुरस्कार समारोह का आयोजन किया जाता है।

1. पुरस्कार श्रेणियाँ:

क) **शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार**: हस्तशिल्प कारीगरों को निम्न श्रेणियों के तहत शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार प्रदान किए जाते हैं:

श्रेणी	शिल्प श्रेणी	पुरस्कार की संख्या
शिल्प गुरु	शिल्प श्रेणी	05
	केवल महिलाओं के लिए	01
	कुल	06

नोट:

- शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार हस्तशिल्प क्षेत्र में उच्च प्रतिष्ठा पुरस्कार है जो इस स्तर पर शिल्प-वार या किसी अन्य मापदंड के अनुसार बिना पक्षपात के प्रदान किए जाते हैं। यह पुरस्कार सिद्धहस्तशिल्पी को हस्तशिल्प के संवर्धन हेतु शिल्पकार्य की एक असाधारण कृति बनाने तथा कारीगरों की अगली पीढ़ी को अपना कौशल प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।

ख)**राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार:** ये पुरस्कार निम्न श्रेणियों के अंतर्गत प्रदान किए जाते हैं:

क्रमांक	श्रेणी	उप श्रेणी	प्रत्येक श्रेणी एवं उप श्रेणी के तहत प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों की संख्या
1.	शिल्प श्रेणी		
		1. धातु कार्य (जैसे धातु, बिदरी कार्य आदि)	01
		2. लकड़ी का कार्य	01
		3. बेंत एवं बांस तथा अन्य वन आधारित उत्पाद	01
		4. पत्थर का कार्य	01
		5. कुंभकारी, सेरेमिक एवं टेराकोटा	01
		6. चित्रकारी	01
		7. आभूषण और अर्ध कीमती पत्थर	01
		8. पेपर मैशी शिल्प और कागज शिल्प	01
		9. कलात्मक वस्त्र (जैसे हाथ ठप्पा छपाई, टाई एंड डाई, एप्लीक कार्य, रज़ाई और पैच वर्क), कढ़ाई तथा ज़री/जरदोज़ी कार्य	01
		10. हस्तनिर्मित कालीन/फर्श बिछावन, गलीचे और दरियाँ	01
		11. खिलौने एवं गुड़िया, कठपुतली, खेल एवं पतंगें	01
		12. विविध शिल्प (चमड़ा शिल्प, लेस कार्य, कशीदाकृत वस्तुएँ और ब्रेडिंग, ग्लास कार्य, हड्डी, शंख एवं शैल, वाद्य यंत्र आदि)	01
		13. केवल महिला कारीगरों के लिए	01
		14. 30 वर्ष से कम आयु के युवा कारीगरों के लिए	01
		15. दिव्यांग कारीगर	01
		16. लुप्तप्राय शिल्प	01
		17. जनजातीय शिल्प	01
2.	अभिनव डिजाइन		01
3.	स्टार्ट-अप उद्यम /उत्पादक कंपनी		01
	कुल		**19**

नोट:

क) राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार असाधारण सिद्धहस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प क्षेत्र की प्रगति एवं विकास की ओर उनके योगदान को पहचान देने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जीवन में एक बार प्रदान किए जाने वाले यह पुरस्कार, उन्हें हमारी पुरातन परंपरा को संरक्षित करने और शिल्पकारिता में उत्कृष्टता बनाए रखने के लिए प्रोत्साहित करते हैं।

ख) राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार पर विचार करते समय शिल्प श्रेणी के तहत (1) केवल महिला कारीगर के लिए, (2) 30 वर्ष की आयु से कम के युवा कारीगरों के लिए, (3) दिव्यांग कारीगर, (4) लुप्तप्राय शिल्प और जनजातीय कारीगरों पर, उत्पाद विविधीकरण या समकालीन उपयोग के प्रयोग द्वारा शिल्प को पुनर्जीवित करने के क्रम में किसी उल्लेखनीय प्रयास को उचित महत्व दिया जाना चाहिए।

ग) समिति की सिफ़ारिशों के आधार पर लुप्तप्राय शिल्प की सूची **अनुलग्नक I** पर है।

ग) अभिनव डिजाइन के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार

- **विवरण**

अभिनव डिजाइन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार राष्ट्रीय पुरस्कार का एक घटक है जो सह-सृजन के आधार पर डिजाइनरों और कारीगरों के एक समूह को प्रदान किया जाता है।

- **पात्रता**

पात्रता मानदंड निम्नलिखित है:

i) सह-सृजन के आधार पर डिजाइनर और कारीगर के पास संबंधित शिल्प में वैध फोटो पहचान पत्र होना आवश्यक है। डिजाइनर के पास मूर्तिकला, ललित कला, डिजाइन, फैशन आदि (हस्तशिल्प के संदर्भ में) में किसी मान्यताप्राप्त संस्थान से 4 वर्ष की डिग्री होनी चाहिए। अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव (यदि कोई हो) से संबंधित आवश्यक दस्तावेज़ प्रस्तुत करने आवश्यक है।
ii) भारत के नागरिक और निवासी (30 वर्ष की आयु से अधिक)
iii) हस्तशिल्प क्षेत्र में 10 वर्षों का अनुभव।

नामांकन द्वारा:

सम्मानित संगठन जैसे भारतीय केंद्रीय कुटीर उद्योग निगम लि॰ (सीसीआईसी), हस्तशिल्प निर्यात संवर्धन परिषद (ईपीसीएच), कालीन निर्यात संवर्धन परिषद (सीईपीसी), राष्ट्रीय फैशन टेक्नोलोजी संस्थान (निफ़्ट), राष्ट्रीय डिजाइन संस्थान (एनआईडी), भारतीय शिल्प परिषद और हस्तशिल्प के क्षेत्र में कार्यरत केंद्रीय/राज्य/हस्तशिल्प निगमें भी हस्तशिल्प पुरस्कारों के विचार हेतु नजदीकी हस्तशिल्प सेवा केंद्र में आवेदनों की सिफ़ारिश कर सकती है।

(घ) स्टार्ट-अप उद्यम के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार

विवरण:

यह पुरस्कार उस स्टार्ट-अप उद्यम को प्रदान किया जाएगा जो हस्तशिल्प क्षेत्र में विगत पाँच वर्षों से सतत आर्थिक प्रगति की ओर हस्तशिल्प उत्पादों के उत्पादन के लिए इको-सिस्टम बनाने और रोजगार के अवसर सृजित करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा हो। स्टार्ट-अप उद्यम द्वारा उद्यमिता विचारधारा को आगे बढ़ाने में संतोषजनक प्रगति की जानी चाहिए। स्टार्ट-अप उद्यम की विकास संबंधी उपलब्धियों के क्रम में रोजगार सृजन और हस्तशिल्प कामगारों के वेतन में वृद्धि पर विचार किया जाएगा। स्टार्ट-अप को इस संबंध में डीपीआईटी (वाणिज्य विभाग) के दिशानिर्देशों के प्रावधानों का अनुसरण करना होगा।

पात्रता:

स्टार्ट-अप की मौजूदगी की न्यूनतम अवधि गत वर्ष 31 दिसंबर को 05 वर्षों की होनी चाहिए। तथपि, यह 10 वर्षों से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। उद्यम की चार्टेड एकाउंटेंट या सांविधिक लेखाकारों से सत्यापित पिछले 3 वर्षों के वित्तीय विवरण पर विचार किया जाएगा। उदाहरण के लिए; वर्ष 2021 की प्रविष्टि के लिए, वित्तीय वर्ष 2017, 2018 तथा 2019-20 के लेखापरीक्षित आंकड़ों पर विचार किया जाएगा।

स्टार्ट-अप उद्यम के लिए स्पॉट सत्यापन

हस्तशिल्प क्षेत्र में स्टार्ट-अप उद्यम की पात्रता तथा पिछले पाँच वर्षों में उसकी प्रगति की पुष्टि क्षेत्र के संबंधित क्षेत्रीय निदेशक द्वारा गठित समिति द्वारा स्पॉट सत्यापन के माध्यम से की जाएगी। तत्पश्चात संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा मुख्यालय स्तर चयन समिति के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

हस्तशिल्प शिल्प श्रेणी में पुरस्कारों की पात्रता

पुरस्कार		विवरण	पात्रता
शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार		यह पुरस्कार सिद्धहस्तशिल्पी को हस्तशिल्प के संवर्धन हेतु शिल्पकार्य की एक असाधारण कृति बनाने तथा कारीगरों की अगली पीढ़ी को अपना कौशल प्रदान करने के लिए प्रदान किए जाते हैं।	भारत में रहनेवाला कोई भी सिद्धहस्तशिल्पी जिसके पास पहचान के तहत वैध फोटो आई कार्ड हो जो अति सम्मानित राष्ट्रीय पुरस्कार विजेता या राज्य पुरस्कार विजेता हो या हस्तशिल्प क्षेत्र में महत्वपूर्ण योगदान देनेवाला विशिष्ट कौशल धारक हो इस पुरस्कार हेतु पात्र है। **आवेदक का भारतीय नागरिक होने के साथ इस देश का निवासी होना अनिवार्य है, जिनकी आवेदन की तिथि पर आयु 50 वर्ष से कम नहीं होनी चाहिए और जिनके पास शिल्प में कम से कम 20 वर्षों का अनुभव हो शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार के लिए आवेदन करने हेतु पात्र है।**
राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार	**शिल्प श्रेणी**	यह पुरस्कार उत्कृष्ट सिद्धहस्तशिल्पियों को हस्तशिल्प क्षेत्र के विकास एवं प्रगति में उनके योगदान को पहचान देने के लिए प्रदान किए जाते हैं। जीवन में एक बार प्रदान किए जाने वाले ये पुरस्कार, उन्हें शिल्पकारिता में श्रेष्ठता बनाए रखने और हमारी सदियों पुरानी परंपरा को जीवित रखने और हस्तशिल्प शिल्प श्रेणी के विकास हेतु प्रोत्साहित करते हैं।	**वैध फोटो पहचान कार्ड धारक कोई भी शिल्पी जो भारत का नागरिक तथा निवासी हो, जिनकी आवेदन आमंत्रित करने की तिथि पर 30 वर्ष से अधिक आयु हो और जिन्हें इस शिल्प में कम से कम 10 वर्षों का अनुभव हो, राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए आवेदन करने हेतु पात्र है।**
	अभिनव डिजाइन पुरस्कार	अभिनव डिजाइन के लिए राष्ट्रीय पुरस्कार राष्ट्रीय पुरस्कार का एक घटक है जो सम्मानित संस्थान से चार वर्ष की डिग्री धारक डिजाइनरों और संबंधित शिल्प में पहचान के अंतर्गत वैध फोटो आई कार्ड धारक कारीगरों के एक समूह को सह-सृजन के आधार पर प्रदान किया जाता है। जीवन में एक बार प्रदान किए जाने वाले ये पुरस्कार, उन्हें शिल्पकारिता में श्रेष्ठता बनाए	**भारत का कोई भी नागरिक एवं निवासी जिनकी आयु आवेदन आमंत्रित करने की तिथि पर 30 वर्ष से कम न हो और जिन्हें हस्तशिल्प क्षेत्र में 10 वर्षों का अनुभव हो पुरस्कार हेतु आवेदन करने के पात्र है।** डिजाइनर के पास मूर्तिकला, ललित कला, डिजाइन, फैशन आदि (हस्तशिल्प के संदर्भ में) में किसी

		रखने और हमारी सदियों पुरानी परंपरा को जीवित रखने और हस्तशिल्प शिल्प श्रेणी के विकास हेतु प्रोत्साहित करते हैं।	मान्यताप्राप्त संस्थान से 4 वर्ष की डिग्री होनी चाहिए। अभ्यर्थियों को अपनी शैक्षणिक योग्यता और अनुभव (यदि कोई हो) से संबंधित आवश्यक दस्तावेज़ प्रस्तुत करने आवश्यक है।
	स्टार्ट-अप उद्यम/उत्पादक कंपनी	यह पुरस्कार उस स्टार्ट-अप उद्यम को प्रदान किया जाएगा जो हस्तशिल्प क्षेत्र में विगत पाँच वर्षों से सतत आर्थिक प्रगति की ओर हस्तशिल्प उत्पादों के उत्पादन के लिए इको-सिस्टम बनाने और रोजगार के अवसर सृजित करने के लक्ष्य के साथ कार्य कर रहा हो। स्टार्ट-अप उद्यम द्वारा उद्यमिता विचारधारा को आगे बढ़ाने में संतोषजनक प्रगति की जानी चाहिए। स्टार्ट-अप उद्यम की विकास संबंधी उपलब्धियों के क्रम में रोजगार सृजन और हस्तशिल्प कामगारों के वेतन में वृद्धि पर विचार किया जाएगा। स्टार्ट-अप को इस संबंध में डीपीआईटी (वाणिज्य विभाग) के दिशानिर्देशों के प्रावधानों का अनुसरण करना होगा।	स्टार्ट-अप की मौजूदगी की न्यूनतम अवधि गत वर्ष 31 दिसंबर को 05 वर्षों की होनी चाहिए। तथपि, यह 10 वर्षों से अधिक पुरानी नहीं होनी चाहिए। उद्यम की चार्टेड एकाउंटेंट या सांविधिक लेखाकारों से सत्यापित पिछले 3 वर्षों के वित्तीय विवरण पर विचार किया जाएगा। उदाहरण के लिए; वर्ष 2021 की प्रविष्टि के लिए, वित्तीय वर्ष 2017, 2018 तथा 2019-20 के लेखापरीक्षित आंकड़ों पर विचार किया जाएगा। स्टार्ट-अप उद्यम के लिए स्पॉट सत्यापन हस्तशिल्प क्षेत्र में स्टार्ट-अप उद्यम की पात्रता तथा पिछले पाँच वर्षों में उसकी प्रगति की पुष्टि क्षेत्र के संबंधित क्षेत्रीय निदेशक द्वारा गठित समिति द्वारा स्पॉट सत्यापन के माध्यम से की जाएगी। तत्पश्चात संबंधित क्षेत्रीय कार्यालय द्वारा मुख्यालय स्तर चयन समिति के समक्ष रिपोर्ट प्रस्तुत की जाएगी।

- महिला हस्तशिल्प कारीगरों के लिए अनन्य रूप से पुरस्कारों का प्रावधान:

प्रत्येक शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार (एसजीएचए) और राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार (एनएचए) में से एक पुरस्कार विशिष्ट रूप से केवल महिला हस्तशिल्प कारीगरों को प्रदान किया जा सकता है।

- **शिल्प कलाकृतियों को प्रस्तुत करना**

आवेदक प्रत्येक श्रेणी में नीचे दिए गए ब्यौरे अनुसार चयन हेतु पुरस्कार के लिए निर्मित कलाकृति को बनाने की शुरू से अंत तक द्विभाषी (अंग्रेजी एवं हिन्दी में) तकनीकी बारीकियों के साथ सभी संगत दस्तावेजों सहित नमूनों को आवेदन के साथ प्रस्तुत करेगा। कलाकृति बनाने की विधि की तकनीकी बारीकियों को हस्तशिल्प सेवा केंद्र के अधिकारी द्वारा हस्ताक्षरित किया जाना अनिवार्य है।

1. शिल्प गुरु पुरस्कार : 1 नमूना
2. राष्ट्रीय पुरस्कार : 1 नमूना
3. अभिनव डिजाइन पुरस्कार : 2 नमूने

- **शिल्प कौशल का प्रदर्शन**

शिल्प श्रेणी में दक्षता निर्धारित करने के लिए कौशल परीक्षण क्षेत्रीय कार्यालय/ संबंधित हस्तशिल्प सेवा केंद्र द्वारा गठित समिति के समक्ष संचालित किया जाएगा। क्षेत्रीय स्तर चयन समिति को प्रविष्टियाँ भेजने से पूर्व परीक्षण या तो कारीगर के कार्यस्थल या हस्तशिल्प सेवा केंद्र या किसी अन्य उपयुक्त स्थान पर विडियोग्राफी के साथ किया जा सकता है।

संबंधित हस्तशिल्प सेवा केंद्र फील्ड अधिकारी द्वारा संचालित **"मौके पर सत्यापन रिपोर्ट"** प्रस्तुत करेगा। क्षेत्रीय स्तर पर कलाकृतियों को संस्तुत करने वाली फील्ड अधिकारियों की निरीक्षण रिपोर्ट के पूर्ण सत्यापन के लिए हस्तशिल्प सेवा केंद्र स्तर पर एक जांच संबंधित क्षेत्रीय स्तर द्वारा संचालित की जाएगी। यह रिपोर्ट मुख्यालय स्तर चयन समिति के समक्ष प्रस्तुत की जाएगी।

पुरस्कार के सामान्य नियम और शर्तें

1.पुरस्कार निहित वस्तुएँ

शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार	इस पुरस्कार में 3.50 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, सोने का सिक्का (20 ग्राम), ताम्रपत्र, शॉल और एक प्रमाणपत्र शामिल है।
राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार (सभी श्रेणियाँ)	इस पुरस्कार में 2.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, ताम्रपत्र, शॉल और एक प्रमाणपत्र शामिल है।
स्टार्ट-अप उद्यम के लिए राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार (राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार की उप श्रेणी)	इस पुरस्कार में, 2.00 लाख रुपए का नकद पुरस्कार, एक ताम्रपत्र, शॉल और प्रमाणपत्र शामिल है।
डिज़ाइन नवाचार पुरस्कार	इस पुरस्कार में 3.00 लाख रुपए नकद पुरस्कार शामिल है जिसे संबंधित डिज़ाइनरों और कारीगरों के बीच बराबर बांटा जाता है तथा एक शॉल, एक प्रमाणपत्र और ताम्रपत्र डिज़ाइनर और कारीगर दोनों को प्रदान किया जाता है।

2. पुरस्कारकर्ता के चरित्र और पूर्ववृत्त का सत्यापन

क्षेत्र स्तरीय चयन समिति के समक्ष विचार हेतु आवेदन की अनुशंसा करने से पूर्व संबंधित एजेंसी के माध्यम से चरित्र एवं पूर्ववृत्त का सत्यापन हस्तशिल्प सेवा केंद्र के वरिष्ठ सहायक निदेशक/सहायक निदेशक (ह.) द्वारा किया जाएगा। क्षेत्रीय निदेशक मुख्यालय कार्यालय को आवेदनों की अनुशंसा करने से पूर्व चरित्र और पूर्ववृत्त का सत्यापन सुनिश्चित करें अथवा यदि संबंधित प्राधिकरण से रिपोर्ट लंबित है तो एक प्रमाणपत्र दिया जा सकता है कि रिपोर्ट लंबित है और बाद में प्रेषित की जाएगी।

3. अपराधिक मामलों, परिवार के सदस्यों का विवरण/पहले पुरस्कृत हुए व्यक्तियों के नाम आदि के संबंध में आवेदक से घोषणा एक शपथपत्र पर निर्धारित प्रारूप में प्रस्तुत होना चाहिए जो श्रेणी 1 के केंद्र/राज्य सरकार के अधिकारी द्वारा सत्यापित और रबड़ की मोहर युक्त होनी चाहिए।

4. प्रविष्टियों के लिए विज्ञापन एवं प्रचार:

- विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा एक विज्ञापन हिंदी, अंग्रेजी और स्थानीय भाषाओं में प्रमुख राष्ट्रीय/क्षेत्रीय समाचार पत्रों में प्रकाशित किया जाएगा। पुरस्कार केलैंडर सहित अधिसूचना भी विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय की वेबसाइट www.handicrafts.nic.in पर अपलोड की जाएगी।

- उपरोक्त के अतिरिक्त, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के पोर्टल www.handicrafts.nic.in द्वारा ऑनलाइन माध्यम से अथवा क्षेत्रीय कार्यालय और निकटतम हस्तशिल्प सेवा केंद्र द्वारा ऑफलाइन माध्यम से भी आवेदन आमंत्रित किए जाएंगे।

- विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक द्वारा (हस्तशिल्प एवं फील्ड कार्यालय अर्थात हस्तशिल्प सेवा केंद्रों) प्रत्येक फील्ड कार्यालय/हस्तशिल्प सेवा केंद्र, दिल्ली हाट, राष्ट्र स्तरीय मेलों आदि में स्थायी होर्डिंग्स के माध्यम से व्यापक प्रचार किया जाएगा तथा सभी हस्तशिल्प कलस्टरों और दिल्ली हाट के स्टोलों में पेंफ्लेट आवंटित किए जाएँ। बोर्ड/होर्डिंग्स और पेंफ्लेट में स्पष्ट रूप से पुरस्कार प्रविष्टियों को जमा करने की अंतिम तिथि और चयन के संक्षिप्त मानदंड के बारे में सूचित किया जाए।

- संबंधित हस्तशिल्प सेवा केंद्रों द्वारा जिला कलेक्टर/न्यायधीश/जिला औद्योगिक केंद्र/खंड विकास अधिकारियों/पंचायत और डीआरडीए को अपने स्तर पर प्रचार करने हेतु अनुरोध किया जा सकता है।

- क्षेत्रीय निदेशक और हस्तशिल्प सेवा केंद्र पुरस्कार योजनाओं के बारे में जागरुकता फैलाने हेतु कारीगरो के प्रतिनिधियों के साथ विशेष बैठक करेंगे।

- क्षेत्रीय निदेशक और हस्तशिल्प सेवा केंद्र द्वारा पुरस्कार योजनाओं के बारे में बैठकों/कार्यशालाओं/ सेमिनारों/संगोष्ठियों/परिचर्चा सत्रों आदि में विशेष उल्लेख किया जाए।

- सभी हस्तशिल्प सेवा केंद्रों (एचएससी) को महिला कारीगरों को पुरस्कार के लिए आवेदन हेतु प्रेरित करने और सहायता देने के लिए विशेष अभियान चलाने की आवश्यकता है।

6. **प्रविष्टियाँ जमा कराने की प्रक्रिया**

- सभी पात्र आवेदक अपने आवेदन अनुलग्नक के अनुसार प्रारुप में ऑनलाइन/ऑफलाइन जमा करना सकते हैं जो विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय द्वारा प्रमुख राष्ट्रीय/क्षेत्रीय समाचार पत्रों में विज्ञापित अधिसूचना के अनुसार उपयुक्त हो। वे ऑनलाइन आवदेन प्रपत्र, शिल्प कलाकृतियों और संबंधित दस्तावेज़ों आदि के प्रिंटआउट की हस्ताक्षरित प्रति निकटतम हस्तशिल्प सेवा केंद्र में प्रस्तुत करेंगे।

- संयुक्त प्रविष्टियाँ केवल राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार में अभिनव डिज़ाइन की शिल्प श्रेणी के मामले में स्वीकृत की जाएँ। अन्य शिल्प श्रेणियों में कोई संयुक्त प्रविष्टि स्वीकार नहीं की जाएगी।

- आवेदक द्वारा अपने शिल्पों (जहाँ भी लागू हो) के साथ प्रस्तुत सभी प्रविष्टियाँ इन घोषणाओं के साथ होनी चाहिए कि प्रस्तुत की गई वस्तु उनके द्वारा निर्मित की गई है और वह अपने जोखिम पर प्रविष्टि प्रस्तुत कर रहा/रही है और अप्रत्याशित परिस्थितियों के कारण प्रविष्टि के परिवहन के दौरान किसी भी क्षति आदि के मामले में, केंद्र सरकार किसी भी प्रतिपूर्ति को भुगतान हेतु उत्तरदायी नहीं होगी।

- आवेदकों को आवेदनों के साथ अनंतिम उत्पाद के नमूनों (जहाँ भी लागू हो) की फोटो के साथ-साथ उत्पाद निर्माण के विभिन्न चरणों के दौरान ली गई फोटो अथवा उत्पाद निर्माण के विभिन्न चरणों के दौरान की गई विडियोग्राफी संलग्न करनी चाहिए।

- नमूने/अन्य दस्तावेज़ों की फोटो के साथ-साथ आवेदन के सभी पृष्ठ **X/Y** (**X** पृष्ठ का क्रमांक है और **Y** पृष्ठों की कुल संख्या है) क्रमांक अनुसार क्रम में हों। सभी पृष्ठ/फोटो/दस्तावेज़ आवेदक द्वारा हस्ताक्षरित/सत्यापित तथा संबंधित क्षेत्रीय निदेशक/उप निदेशक/वरिष्ठ सहायक निदेशक/सहायक निदेशक द्वारा प्रतिहस्ताक्षरित होने चाहिए।

- ऐसे मामले जहाँ आवदेक को पहले किसी विशेष श्रेणी में पुरस्कार प्रदान किया गया है, वह समान श्रेणी जैसे राष्ट्रीय पुरस्कार में पुनः आवेदन नही कर सकता/सकती। तथापि वह पात्रता के अनुसार किसी अन्य श्रेणी जैसे शिल्पगुरु में पुरस्कार हेतु आवेदन कर सकता/सकती है।

- केंद्र/राज्य निगमों/फील्ड में कार्यरत स्वैच्छिक संगठनों द्वारा सभी प्रायोजित प्रविष्टियाँ निर्धारित समय के भीतर क्षेत्र स्तरीय चयन समिति की अनुशंसा हेतु विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के निकटतम हस्तशिल्प सेवा केंद्रों को भेजी जाएंगी।

7. **आवेदनों की प्रक्रिया**

- संबंधित हस्तशिल्प सेवा केंद्र आवेदनों की पूर्ण संवीक्षा, कौशल/प्रवीणता जाँच (शिल्प श्रेणी कौशलों का प्रदर्शन) और फिर क्षेत्र स्तरीय चयन समिति के लिए पात्र प्रविष्टियों की अनुशंसा करेंगे। हस्तशिल्प सेवा केंद्र आवेदकों की प्रामाणिकताओं के भौतिक सत्यापन और संबंधित एजेंसियों से चरित्र पूर्ववत्त के सत्यापन हेतु पूरी तरह से तत्पर रहेगा।

- क्षेत्रीय कार्यालय से उप निदेशक/सहायक निदेशक स्तर का एक अधिकारी शिल्प कलाकृतियों की कोडिंग के लिए नामित किया जाएगा। कोडिंग के बाद आवेदन अलग से सील किए जाएंगे, कोडों को नमूनों पर सिल दिया जाएगा और अन्य सभी पहचान चिन्हों को पूर्ण रुप से हटा/ढक दिया जाएगा ताकि कारीगरों की पहचान अज्ञात रहे।

- शिल्प गुरु और राष्ट्रीय पुरस्कार के लिए नमूने निम्न प्रारुप में कोड होंगे।

  उदाहरण के लिए:

  शिल्प गुरु: SG/REGION/वर्ष/शिल्प श्रेणी/शिल्प में प्रविष्टि का क्रमांक

  उत्तरी क्षेत्र: SG/NR/2020/1/1

  राष्ट्रीय पुरस्कार : NA/NR.2020/1/2

  डिजाइन नवीनता पुरस्कार : DIA/NR.2020/1/1

  कोडिंग सूची(नाम के बिना) और नमूने क्षेत्र स्तरीय चयन समितियों को प्रस्ततु किए जाएंगे।

- आवेदनों और नमूनों सहित सभी क्षेत्र स्तरीय चयन समिति की बैठकों के कार्यवृत मुख्यालय और केंद्र स्तरीय चयन समिति की बैठकों के आयोजन हेतु सील लिफाफे में विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय, मुख्यालय कार्यालय, नई दिल्ली भेजें जाएंगे।

- विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय से क्षेत्रीय निदेशक स्तर का एक अधिकारी वैयक्तिक रूप से नमूनों की पुनः कोडिंग के लिए नामित किया जाएगा। नमूनों को सीएलएससी उपसर्ग लगाते हुए एसजीएचए/एनएचए पुरस्कार का वर्ष और अंत में 3 अंको के साथ कोड किया जाएगा। समान श्रेणी के उत्पाद क्रमानुसार होंगे। कोड में क्षेत्र/जिला/उत्पादों का नाम/कारीगर का नाम आदि नहीं होने चाहिए।

- प्रदर्शन के दौरान नमूनों मे संलग्न आलेख में शुरु से लेकर अंत तक उत्पाद के सभी तकनीकी पहलू द्विभाषी (हिंदी और अंग्रेजी) रुप में होने चाहिए तथा हस्तशिल्प सेवा केंद्र के फील्ड कार्यालय के संबंधित अधिकारी जिसने कलाकृतियों का निरीक्षण किया है, द्वारा प्रमाणित होने चाहिए।

8. चयन प्रक्रियाः

हस्तशिल्प पुरस्कारों के चयन के लिए एक तीन-स्तरीय प्रणाली है। प्रत्येक चयन समिति के सदस्यों की संरचना निम्न अनुसार है। प्रदान किए जाने वाले पुरस्कारों का अंतिम चयन सचिव (वस्त्र) की अध्यक्षता के तहत केंद्र स्तरीय समिति (लेवल-3) द्वारा किया जाता है:-

केन्द्रीय स्तर चयन समिति (सीएलएससी)-स्तर-1

1.	सचिव (वस्त्र)	अध्यक्ष
2.	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)	सदस्य
3.	विकास आयुक्त (हथकरघा)	सदस्य
4.	अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)/निदेशक (हस्तशिल्प)/वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प)	संयोजक
5.	निफ्ट से प्रतिनिधि	सदस्य
6.	राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान के प्रतिनिधि	सदस्य
7.	एक वरिष्ठ डिज़ाइनर	सदस्य
8.	हस्तशिल्प क्षेत्र के पांच गैर-सरकारी सदस्य, जिनमें कम से कम एक हस्तशिल्प पुरस्कार विजेता हो।	गैर-सरकारी सदस्य

मुख्यालय स्तर चयन समिति (एचएलएससी)-स्तर-2

1.	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)	अध्यक्ष
2.	अपर विकास आयुक्त (हस्तशिल्प)/निदेशक (हस्तशिल्प)/वरिष्ठ निदेशक (हस्तशिल्प)	संयोजक
3.	राष्ट्रीय फैशन प्रौद्योगिकी संस्थान के प्रतिनिधि	सदस्य
4.	राष्ट्रीय डिज़ाइन संस्थान के प्रतिनिधि	सदस्य
5.	वरिष्ठ डिज़ाइनर (1)	सदस्य
6.	5 गैर-सरकारी सदस्य, जिनमें कम से कम एक हस्तशिल्प पुरस्कार विजेता हो।	सदस्य

क्षेत्रीय स्तर चयन समिति (आरएलएससी)-स्तर-3

1.	हस्तशिल्प में राज्य सरकार के प्रतिनिधि	अध्यक्ष
2.	विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) कार्यालय के क्षेत्रीय निदेशक (ह.)	संयोजक
3.	प्रसिद्ध सिद्धहस्तशिल्पी	सदस्य
4.	सूचीबद्ध डिज़ाइनर (1)	सदस्य
5.	व्यापार/निर्यातक प्रतिनिधि (2)	सदस्य

- चयन का प्रथम चरण क्षेत्रीय स्तर समिति होगी (स्तर -3), जैसा लागू हो।
- द्वितीय चरण में, केन्द्रीय स्तर चयन समिति को संस्तुति हेतु मुख्यालय स्तर चयन समिति (स्तर -2) द्वारा विभिन्न क्षेत्रीय स्तर चयन समिति द्वारा संस्तुत प्रविष्टियों की जांच की जाएगी।
- अंतिम चयन, मुख्यालय स्तर चयन समिति द्वारा संस्तुत प्रविष्टियों में से, केन्द्रीय स्तर चयन समिति द्वारा किया जाएगा।

- **शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार, राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार एवं डिज़ाइन नवीनता पुरस्कार हेतु**

हस्तशिल्प शिल्प श्रेणी क्षेत्र में शिल्प गुरु हस्तशिल्प पुरस्कार एवं राष्ट्रीय हस्तशिल्प पुरस्कार हेतु विजेता प्रविष्टियों को अंतिम रूप देने के लिए उत्कृष्ट कारीगरों का चयन तीन स्तरीय चयन प्रक्रिया अर्थात क्षेत्रीय, मुख्यालय तथा केन्द्रीय स्तर चयन समिति क्रमशः हस्तशिल्प के राज्य सरकार के प्रतिनिधि, विकास आयुक्त (हस्तशिल्प) एवं सचिव (वस्त्र) की अध्यक्षता में किया जाएगा।

शिल्पकारिता की उत्कृष्टता की जांच शिल्प कलाकृतियों के शिल्प श्रेणी के अलग-अलग चरणों के कम से कम 4 फोटाग्राफों के साथ प्राप्त नमूनों से की जाएगी। उत्पाद बनाने के विभिन्न चरणों की फोटोग्राफी जमा की जानी चाहिए, यदि संभव हो।

हस्तशिल्प क्षेत्र में अन्य उपलब्धियों का मूल्यांकन शिल्प कलाकृतियों के विभिन्न चरणों की फोटोग्राफी सहित, जीवनवृत्त तथा उसमें प्रस्तुत किए गए दस्तावेजों से किया जाएगा।

शिल्प के विकास में नई खोज में सफलता प्राप्त करने हेतु किए गए प्रयासों पर उचित विचार किया जाएगा।

पुरस्कारों को अधिक समावेशी बनाने के लिए, पुरस्कार प्राप्त करने वाले परिवार के आवेदकों की तुलना में अन्य उत्कृष्ट कारीगरों पर उचित विचार किया जाए। यह प्रोत्साहन कौशल प्रसार एवं शिल्प परंपरा के संरक्षण में सहायक होगा।

- **पुरस्कारों को अंतिम रूप देना**

केन्द्रीय स्तर चयन समिति द्वारा पुरस्कारों को अंतिम रूप देने के पश्चात, डिकोडिंग की जाएगी तथा नाम सहित पुरस्कार विजेताओं की सूची प्रकाशित की जाएगी। विजेताओं की सूची सार्वजनिक प्लेटफार्म में अपलोड की जाएगी। इसके अतिरिक्त, पुरस्कार विजेताओं को पत्र के माध्यम से भी सूचित किया जाएगा।

*****

अनुलग्नक-I

लुप्तप्राय शिल्पों की सूची

क्र.सं.	शिल्प का नाम	स्थन	राज्य
1.	नील रंजन (इंडिगो डाइंग)	सिवासागर	असम
2.	असमिया आभूषण	जोरहाट	असम
3.	मिरीझिम	मनजुला	असम
4.	प्राकृतिक रंगाई	नांगफो	असम
5.	शाफी लांफी	इंफाल	मणिपुर
6.	लाशिंगफी	इंफाल	मणिपुर
7.	प्राकृतिक ब्लॉक प्रिंटिंग	इंफाल	मणिपुर
8.	लघु चित्रकारी	हैदराबाद	आंध्र प्रदेश
9.	चेरियल चित्रकारी	चेरियल	आंध्र प्रदेश
10.	राजा रानी गुड़िया	तिरुपति	आंध्र प्रदेश
11.	मंदिर कलमकारी	कुंभकोडम	तमिलनाडु
12.	मंदिर एप्लीक	मदुरै	तमिलनाडु
13.	गेस्सो कार्य	बीकानेर	राजस्थान
14.	कावड़	बस्सी	राजस्थान
15.	डांका	उदयपुर	राजस्थान
16.	रोगन चित्रकारी	निरोना	गुजरात
17.	वरक चित्रकारी	उदयपुर	राजस्थान
18.	मेंड की छपाई	सांगानेर	राजस्थान
19.	स्प्लिट प्लाई-ब्रेडिंग	थार क्षेत्र (भारत)	राजस्थान
20.	पिथोरा चित्रकारी	झाबुआ	मध्य प्रदेश
21.	हस्त ब्लॉक प्रिंटिंग	तारापुर/जावद	मध्य प्रदेश
22.	सांझी शिल्प	मथुरा	उत्तर प्रदेश
23.	कट्टकी चप्पल	बारंग	ओडिशा
24.	सींग शिल्प	कटक	ओडिशा
25.	गंजीफा कार्ड	सोनपुर	ओडिशा
26.	लकड़ी के खिलौने	बारगढ़	ओडिशा
27.	तांबे का सांप	बौध	ओडिशा
28.	नामदा	श्रीनगर	कश्मीर
29.	पिंजराकारी	श्रीनगर	कश्मीर
30.	कुंभकारी	श्रीनगर	कश्मीर
31.	चांदी के पात्र	श्रीनगर	कश्मीर
32.	चित्रपट (टेपेस्टरी)	श्रीनगर	कश्मीर
33.	वागू	श्रीनगर	कश्मीर
34.	चंबा रुमाल	चंबा	हिमाचल प्रदेश
35.	सूरी कटोरा/शेरपई	बीरभूम	पश्चिम बंगाल

HANDICRAFT AWARDS

Handicrafts Awards will be conferred on the Handicrafts Artisans and Designers for showing excellence in the Handicrafts sector under National Handicrafts Development Programme (NHDP).

Objectives

- Recognize extraordinary skills of Handicrafts Artisans and designers who have contributed significantly to the promotion, development and preservation of Craft tradition and welfare of the Craft community.
- Encourage young Artisans to continue with the work in a more enthusiastic and productive manner and encourage others to compete with them.
- Reward individuals/designers to adopt innovative measures for marketing of Handicrafts products and recognize their achievements.
- Spread awareness about adoption of innovative Technology advancements in production of Handicrafts products by Artisans/ designer and their achievements in terms of increase in production.

Details are as under:

No. of Awards: **25**

Award Ceremony will be organized to give the awards to the awardees.

1. **AWARD CATEGORIES**:

a) Shilp Guru Handicrafts Award: The Shilp Guru Handicrafts Awards will be given to the Handicrafts Artisans under craft categories:

Category	Craft Category	No. of Award
Shilp Guru	Craft Category	05
	Exclusively for Women	01
	Total	**06**

Note:

- Shilp Guru Handicrafts Award is the highest award of the handicrafts sector conferred without any segmentation at this level either crafts wise or on any other criteria. The award is given to a master craftsperson for an exceptional piece of craftwork to promote the handicraft and to impart their skills to the next generation of artisans.

b) National Handicrafts Award: This Award will be given under the following categories:

Sl. NO.	Categories	Sub Categories	Number of awards under each category and sub category
1.	Craft Category		
		1. Metal ware (e.g. metal, bidri work etc.)	1
		2. Wood work	1
		3. Cane & Bamboo and other forest-based product	1
		4. Stone ware	1
		5. Pottery, ceramics and terracotta	1
		6. Paintings	1
		7. Jewellery and semi-precious gem stone	1
		8. Paper Machie crafts and paper crafts	
		9. Artistic textiles (e.g. hand block printing, tie and dye applique work, quilting and patch work) , Embroideries and zari / zardozi work	1
		10. .Handmade, carpets/floor coverings Rugs and durries	1
		11. Toys and dolls, puppet, games and kites	1
		12. Miscellaneous crafts (leather craft, lace work, crocheted goods & braiding, glass work, bone conch and shell , musical instruments etc.)	1
		13. Exclusively for Women artisan	1
		14. Young Artisan below 30 years	1
		15. Divyang artisan	1
		16. Endangered craft	1
		17. Tribal artisan	1
2.	Design Innovation		1
3.	Start-up ventures/producer company		1
	Total		19

Note:

a) National Handicrafts Award is conferred to outstanding mastercraftspersons in recognition of their contribution towards the growth & development of handicraft sector. The award, conferred once in a lifetime, encourages them to preserve our old craft-traditions and excellence in craftsmanship.

b) While considering National Handicrafts Award for (1) exclusively for women artisan, (2) Young artisan below 30 years of age (3) Divyang artisan,(4) Endangered Craft and Tribal artisan under Craft Category, due consideration should be given for any noteworthy effort in terms of reviving the craft by product diversification or application of contemporary use.

c) List of Endangered Craft is given as **Annexure I** based on the recommendation of the committee.

c) National Handicrafts Award for Design Innovation

- **Description**

National Award for Design Innovation is a sub-category of National Awards and is given to a group of designers & artisans on a co-creation basis.

- **Eligibility**

Following are the eligible entity:

i) On co-creation basis to designer and artisan having valid photo identity card under PAHCHAN in the respective craft. Designer should have 4 years Degree from recognized institutions in sculpture, fine arts, design, fashion etc. (with relevance to handicrafts). Candidates must submit necessary documents related to their educational qualification and experience (if any).
ii) Citizens & residents of India (not below 30 years of age)
iii) 10 years' experience in Handicrafts Sector.

By Nomination:

Reputed organizations viz. Central Cottage Industries Corporation of India Ltd (CCIC), Export Promotion Council for Handicrafts (EPCH) , Carpet Export Promotion Council (CEPC) , National Institute of Fashion Technology (NIFT) , National Institute of Design (NID), Crafts Council of India and Central/State /Handicrafts Corporations working in the field of handicrafts may also recommend the applicants for the Handicrafts Awards to the nearest Handicrafts Service Centre for consideration..

d) <u>National Handicrafts Award for Start up Venture</u>

Description

This award is given to the Start up venture which is working in the handicrafts sector with the aim to build eco system for production of handicrafts products to drive the sustainable economic growth for past five years and generate employment opportunities. The Start up venture should have made substantial progress to stir entrepreneurial spirit. The achievements in terms of growth of the start up venture, employment generation and increase in the wages of the handicrafts workers are to be considered. The start up much be compliant with the provisions of DPIT (Department of Commerce) guidelines on the subject.

<u>Eligibility</u>
The start-up should have been in existence for a minimum period of 05 years as on 31st December of the previous year. However, it should not be more than 10 years old. The financial statement of the last 3 years, of the venture duly certified by the Chartered Accountants or Statutory Auditors are to be considered. For example ; for an entry for award 2021, the audited figures for financial years 2017, 2018 and 2019-20 will be considered.

<u>Spot Verification report for Start up Venture</u>

Confirmation of eligible start-up venture in the handicrafts sector and its progress over a period of five years is done by the Spot Verification by the Committee constituted by the concerned Regional Director of the region. The report will be placed before the Headquarter level selection Committee by the Regional Office concerned.

ELIGIBILITY FOR AWARDS FOR HANDICRAFTS CRAFT CATEGORY

Award		Description	Eligibility
Shilp Guru Award		Will be conferred to a master craftsperson for an exceptional piece of craftwork to promote the handicraft and to impart their skills to the next generation of artisans.	Any master craftsperson residing in India holding valid photo identity card under PAHCHAN who is either a National Awardee or a State Awardee of exceptional repute or possesses extraordinary skills having made an immense contribution to the handicrafts sector is eligible for this Award. The applicant must be a citizen of India residing in the country, **not below 50 years of age as on the date of inviting the application & possessing at least 20 years of experience in the craft is eligible to apply for Shilp Guru Handicrafts Award**.
National Award	**Craft Category**	Will be conferred to outstanding mastercraftspersons in recognition of their contribution towards the growth & development of handicraft sector. The award, conferred once in a lifetime, encourages them to preserve our old craft-traditions and excellence in craftsmanship. and development of Handicrafts Craft Category.	Any craftsperson holding the **valid photo identity PAHCHAN card** who is a citizen of India residing in the country, **above 30 years of age as on the date of inviting the application & has at least 10 years' experience in the craft is eligible to apply for National Award.**
	Design Innovation	Design Innovation is a sub-category of National Awards and is given to a group of designers holding four years degree from a recognized institutions & artisans on a co-creation basis and artisan having valid photo identity card under PAHCHAN in the respective craft. The award, conferred once in a lifetime, to encourages them to preserve our old craft-traditions and excellence in craftsmanship. and development of Handicrafts Craft Category.	Any citizen & resident of India **not below the 30 years of age on the date of intuiting the application and having 10 years' experience in handicrafts sector can apply for this award.** Designer should have 4 years Degree from recognized institutions in sculpture, fine arts, design, fashion etc. (with relevance to handicrafts). Candidates must submit necessary documents related to their educational qualification and experience (if any).
	Start-up ventures/ producer company	This award is given to the Start up venture which is working in the handicrafts sector with the aim to build eco system for production of handicrafts products to drive the sustainable	The start-up should have been in existence for a minimum period of 05 years as on 31st December of the previous year. However, it should not be more than 10 years old. The financial statement of the last 3 years, of the venture duly certified by

	economic growth for past five years and generate employment opportunities. The Start up venture should have made substantial progress to stir entrepreneurial spirit. The achievements in terms of growth of the start up venture, employment generation and increase in the wages of the handicrafts workers are to be considered. The start up much be compliant with the provisions of DPIT (Department of Commerce) guidelines on the subject.	the Chartered Accountants or Statutory Auditors are to be considered. For example ; for an entry for award 2021, the audited figures for financial years 2017, 2018 and 2019-20 will be considered. **SPOT VERIFICATION REPORT FOR START UP VENTURE** Confirmation of eligible start-up venture in the handicrafts sector and its progress over a period of five years is done by the Spot Verification by the Committee constituted by the concerned Regional Director of the region. The report will be placed before the Headquarter level selection Committee by the Regional Office concerned.

- **Provision of awards exclusively for women Handicrafts Artisans**

One number of each Shilp Guru Handicrafts Award (SGHA) & National Handicrafts Awards (NHA) can be given exclusively to the women Handicrafts Artisans.

Submission of Craft Artefacts

Applicants will submit the samples against each category as per details given below of the artifacts developed for the award for selection with technical details of processing method from starting to the finish product in bilingual (English & Hindi) along with application form with all the relevant documents. The technical details of the processing method should duly be signed by the Officer of Handicrafts Service Centre

1. Shilp Guru Award : 1 sample
2. (i) National Award : 1 sample
   (ii) Design Innovation : 2 sample

- **Demonstration of Craft skill**

  Skill test to determine proficiency in Craft Category will be conducted before a committee constituted by Regional Office / Handicrafts Service Centre concerned. The test will be conducted at either at working place of the artisan or at Handicrafts Service Centres (HSCs) or at any other suitable place along with the videography before recommending the entries to Regional Level Selection Committee.

Handicrafts Service Centre concerned will submit "**on the spot verification report** "conducted by the field officer. An inspection repot of the field officers recommending the artefacts at the Regional level would be conducted by an inter Handicrafts Service Centre level for cross verification, is done by the concerned Regional Level. The report will be placed before the Headquarter level selection committee.

General Terms and Conditions of Awards

1. Award Contents

Shilp Guru Handicrafts Award	The award consists of a cash prize of Rs. 3.50 lakh, mounted gold coin (20 grams), tamrapatra, shawl and a certificate.
National Handicrafts Award (All categories)	This award consists of a cash prize of Rs. 2.00 lakh, tamrapatra, shawl and a certificate.
National Handicrafts Award for Start-up Venture (Sub category of National Handicrafts Award)	This award consists of a cash prize of Rs. 2.00 lakh, tamrapatra, shawl and a certificate.
Design Innovation Award	This award consists of a cash prize of Rs. 3.00 lakh to be shared equally between the concerned designer and the artisan, a shawl, a certificate and tamrapatra for both designer and artisan.

2. Verification of character & antecedent of the awardee

The verification of character & antecedent will be carried out by the Sr. Assistant Director /Asstt. Director (H) of Handicrafts Service Centre through the concerned agency before recommending the application to Regional Level Selection Committee for consideration. Regional Director may ascertain of verification of the character antecedent before recommending the applications to Headquarter office or if the report is awaited from the concerned authority, a certificate may be given that the report is awaited and would be forwarded later on.

3. Declaration from the applicant regarding criminal cases, details of members of the family/ persons who have been awarded earlier, etc should be submitted in the prescribed format on an affidavit form duly attested by Class 1 officer of Central/State Govt. affixing the rubber stamp.

4. Procedures of advertisement & publicity for entries:

- An advertisement would be published in the important national/regional newspapers in Hindi, English and vernacular languages by the Office of DC (Handicrafts). The notification along with Awards calendar will also be uploaded on the website of office of Development Commissioner (Handicrafts) viz www.handicrafts.nic.in

- Besides above, applications will be invited through online mode the portal of DC(HC) Office viz www.haandicrafts.nic.in or offline mode through Regional Offices and nearest Handicrafts Service Centre.

- Wide publicity shall be given by the Regional Director of Office of Development Commissioner (Handicrafts and field office i.e. Handicrafts Service Centres through permanent hoardings at each field office/Handicrafts Service Centre, Dilli Haat, National Level Melas, etc. and pamphlets may be distributed in all Handicrafts clusters and the stalls at Dilli Haat. The boards/hoardings and pamphlets may clearly indicate the last date for submission of award entries and brief criteria of selection.

- District Collectors/Magistrate/District Industries Centres/Block Development Officers /Panchayat and DRDA may be requested by the concerned Handicrafts Service Centres to make publicity at their level.

- Regional Directors and Handicrafts Service Centres shall hold exclusive meetings with Artisans' representatives of Artisans' associations for spreading awareness about the award scheme.

- Special mention may be made in the meetings/Workshops/seminars/ symposia/ interaction sessions etc., by the Regional Directors and Handicrafts Service Centres about the award scheme.

- All Handicrafts Service Centres (HSCs) are required to make special drive to motivate and assist women Artisans for applying for the awards.

6. Procedure for submission of entries

- All eligible applicants may submit their applications online / offline in the format as per Annexure –as applicable, whenever a notification is advertised in the important national/regional newspapers by the Office of DC (Handicrafts). They will submit the signed copy of printout of the online application mode, the craft artefacts and relevant documents, etc. to the nearest Handicrafts Service Centres.

- Joint entry may be accepted only in case of Craft Category in Design Innovation in National Handicrafts Award. In other craft categories **no, joint entry would be accepted.**

- All entries submitted by the applicant along with their crafts (where ever applicable) must be supported with declarations stating that the item being submitted has been prepared by him/ her and he/she is submitting the entry at his/her own risk and in case of damage, etc. during transportation of the entry due to unforeseen circumstances, the Central Government will not be liable to pay any compensation.

- Applicants should attach photos of samples (where ever applicable) of final product as well as photos taken during intermittent stages of the product making, or videography of the intermittent stages of the product making with applications.

- All the pages of application along with photos of sample/other documents will be numbered serially as **X/Y** (X is serial page number and Y is total number of pages). All pages/photos/documents should be signed/attested by the applicant and countersigned by the concerned Regional Director /Deputy Director /Sr. Assistant Director /Assistant Director.

- In the cases where applicant has already been conferred award in a particular category earlier, he/she cannot apply in the same category again e.g. National Award. However, he/she may apply for award in any other category as per eligibility e.g. Shilp Guru.
- All sponsored entries by the Central / State corporation / voluntary organizations working in the field will be sent to the nearest Handicrafts Service Centres of Office of the Development Commissioner (Handicrafts) for recommendation to the Regional Level Selection Committee within stipulated time.

7. Processing of applications

- The concerned Handicrafts Service Centre will carry out proper scrutiny of applications, conduct skill/proficiency test (demonstration of Craft Category skills) and then recommend eligible entries for the Regional Level Selection Committee. Handicrafts Service Centres will exercise due diligence to physically verify the bona-fides of the applicants and verification of the character antecedents from the concerned agency..

- One officer of the rank of Dy. Director/Assistant Director from Regional office will be nominated for coding of craft artefacts. After coding, applications will be sealed separately, codes will be stitched to samples and all other identification marks will be removed /masked properly so that identity of Artisans is not known.

- Samples will be coded for Shilp Guru and National Award in following format :-

  e.g. Shilp Guru : SG/ REGION /Year /Craft Category /Sl. No. of the entry in the craft

  Northern Region : SG/NR/2020/1/1

  National Award : NA/NR.2020/1/2

  Design Innovation Award : DIA/NR.2020/1/1

  , Coding list (without names) and samples will be submitted to the Regional Level Selection committees.
- Minutes of all Regional Level Selection Committee meetings along with applications and samples etc. will be sent to the DC (Handicrafts), HQs, New Delhi in sealed cover for organizing HQ and Central Level Selection Committee meetings.
- One officer of the rank of Regional Director level from the office of DC (HC) will be nominated to personally code the samples again. Samples will be coded with prefix CLSC followed by SGHA/NHA, year of the award followed by 3 digits. Products of the same category will be in the serial order. The code should not reflect Area/District/nomenclature of products/name of the artisan, etc.

- The write up attached to samples during exhibits should contain all technical aspects of the product from beginning to end of the product in bilingual (Hindi and English) and should be certified by the concerned officer of field office of Handicrafts Service Centre who had undertaken the inspection of the artifacts.

8. Selection Process:

There is a three-tier system for selection of Handicrafts Award. The composition of the members of each Selection Committees is as under. The final selection of the awards for conferring is by Central Level Selection Committee (Level -3) under the Chairmanship of Secretary (Textiles) :

Central Level Selection Committee (CLSC)-Level -1

1.	Secretary (Textiles)	Chairman
2.	Development Commissioner (Handicrafts)	Member
3.	Development Commissioner (Handlooms)	Member
4	Addl. Development Commissioner (Handicrafts) / Director (Handcrafts) / Sr. Director (Handicrafts)	Convener
4.	Representative from NIFT	Member
5.	Representative of National Institute of Design	Member
6.	One Senior Designer	Member
7.	Five non-officials' members of handicrafts sector, out of which at least one will be handicrafts awardee .	Non-official members

Headquarter Level Selection Committee (HLSC)- Level -2

1.	Development Commissioner (Handicrafts)	Chairman
2.	Addl. Development Commissioner (Handicrafts) / Director (Handicrafts)/ Sr. Director (Handicrafts)	Convener
3	Representative of National Institute of Fashion Technology	Member
4	Representative of National Institute of Design	Member
5	Senior Designer (1 no.)	Member
6.	5 nos. of Non official members out which at least one will be handicrafts awardee	Member

Regional Level Selection Committee (RLSC)- Level -3

1.	Representative of State Govt. of Handicrafts	Chairman
2.	Regional Director(H) of Office of Development Commissioner (Handicrafts)	Convener
3.	Eminent master craftsperson	Member
4.	Empaneled designer (1 no.)	Member
5.	Trade / Exporter representative (2 nos.)	Members

- The first stage of selection would be at Regional Level Committee, (Level -3) as applicable.
- In the second stage, the entries recommended by the various Regional Level Selection Committees would be screened by the Headquarter Level Selection Committee (Level -2) for recommendation to Central Level Selection Committee.
- The final selection would be done by the Central Level Selection Committee (Level -1) from amongst the entries recommended by the Headquarter Level Selection Committee.

- **For Shilp Guru Handicrafts Award , National Handicrafts Award, and Design Innovation**

  The selection of outstanding Artisans for the Shilp Guru Handicrafts Awards and National Handicrafts Awards in the field of Handicrafts Craft Category, will be done by a three-tier selection process to finalize the winning entries, i.e. Regional, Head Quarter and Central Level Selection Committees, chaired by the State Govt. representative of Handicrafts, Development Commissioner (Handicrafts) and Secretary (Textiles) respectively.

  Excellence of craftsmanship will be judged from samples received along with at least 4 photographs of intermittent stages of Craft Category of craft artefacts. Videography of the intermittent stages of the product making should be submitted, if possible.

  Other achievements in the Handicrafts sector would be assessed from the bio-data and documents submitted therewith, including photographs of different stages of Craft artefacts.
  Efforts made to achieve a break-through in the development of craft would be given due consideration.

  To make awards more inclusive, other extraordinary Artisans may be given due consideration in comparison to the applicants from the same family who have already received the awards. This encouragement will help in disseminating skill and preservation of Craft tradition.

- **Finalization of Awards**

  After the awards are finalized by Central Level Selection Committee, decoding will be done and list of awardees with names will be published. List of winners will be uploaded in the public domain. In addition, awardees will also be intimated through letter.

*****

Annexure -I

LIST OF ENDANGERED CRAFTS

Sl.No.	Name of the craft	Place	State
1.	Indigo Dyeing	Sivasagar	Assam
2.	Assamese Jewellery	Jorhat	Assam
3.	Mirizhim	Manjula	Assam
4.	Natural Dyeing	Nangpho	Assam
5.	Saphe Lamphee	Imphal	Manipur
6.	Lashingphee	Imphal	Manipur
7.	Natural Block Printing	Imphal	Manipur
8.	Miniature Painting	Hyderabad	Andhra Pradesh
9.	Cherial Painting	Cherial	Andhra Pradesh
10.	Raja Rani Dolls	Tirupati	Andhra Pradesh
11.	Temple Kalamkari	Kumbkodam	Tamil Nadu
12.	Temple Applique	Madurai	Tamil Nadu
13.	Gheso Work	Bikaner	Rajasthan
14.	Kavad	Bassi	Rajasthan
15.	Danka	Udaipur	Rajasthan
16.	Rogan Painting	Nirona	Gujarat
17.	Warak printing	Udaipur	Rajasthan
18.	Mend Ki Chapai	Sanganer	Rajasthan
19.	Split Ply-braiding	Thar Region (India)	Rajasthan
20.	Pithora Painting	Jhabua	Madhya Pradesh
21.	Hand Block Printing	Tarapur/Javad	Madhya Pradesh
22.	Sanjhi Crafts	Mathura	U.P.
23.	Cuttaki Chappals	Barang	Orissa
24.	Horn Craft	Cuttack	Orissa
25.	Ganjeefa Cards	Sonepur	Orissa
26.	Wood Toys	Bargarh	Orissa
27.	Copper snake	Boudh	Orissa
28.	Namda	Srinagar	Kashmir
29.	Pinjrakari	Srinagar	Kashmir
30.	Pottery	Srinagar	Kashmir
31.	Silver ware	Srinagar	Kashmir
32.	Tapestry	Srinagar	Kashmir
33.	Wagu	Srinagar	Kashmir
34.	Chamba Rumal	Chamba	Himachal Pradesh
35.	Suri Bowl/Sherpai	Birbhum	West Bengal